मेष राशि

वर्ष के आरम्भ में मेष राशि वालों के लिए घरेलू सुखों में कमी व अशान्ति रहेगी। आवास सम्बन्धी उलझनें बढ़ेंगी। किसी से धोखा मिलने के संकेत भी बन सकते हैं। व्यय बढ़ेगा, परन्तु मंगल की दशम स्थान पर उच्च दृष्टि होने के कारण प्रगति के अवसर भी मिलेंगे। वर्ष के आरम्भ में देव गुरु बृहस्पति एकादश में हैं, अतः आर्थिक लाभ के मार्ग भी खुल जायेंगे। व्यापार में स्थितियाँ आपके अनुकूल बनेंगी, कोई नया एग्रीमेण्ट या डील इस साल हो सकती है। एकादश स्थान में स्थिति गुरु विवाह योग की सम्भावनाएं बतला रहा है। घर में किसी बुजुर्ग का स्वास्थ्य चिन्ता का कारण बन सकता है। घर में नयी वस्तु का क्रय करना सम्भव है, १४ अप्रैल से १४ मई के मध्य जब सूर्य उच्च राशि में स्थित होकर संचरण करेगा, अकस्मात् धनलाभ होगा। २६ मार्च से २० अप्रैल तक शुक्र भी मेष राशि पर संचरण करेगा तो भी शुभ फल घटित होगा।

२० जुलाई से ५ सितम्बर तक मंगल छठें में चले जायेंगे, मेष पर दृष्टि रहने से बिगड़े कामों में कुछ सुधार होगा। घर-परिवार में सुख-शान्ति व सहयोग का वातावरण बनेगा, परिवार के लोग भावनाओं को समझेंगे। मामूली सी नोंक-झोंक चलती रहेगी। शनि छठें भाव में सन्तान सम्बन्धी समस्या हल करेगा। इस वर्ष किसी अचल सम्पत्ति का क्रय-विक्रय कर सकते हैं। गुप्त शत्रुओं से सावधान रहने की आवश्यकता है। गुरु १२वें स्थान में आकर व्यय भी करा सकता है, पर यह व्यय आपके शुभ कार्य हेतु होगा। घर में किसी मांगलिक या धार्मिक कार्य पर खर्च हो सकता है। मित्र व सम्बन्धी आपको आवश्यकता पड़ने पर सहायता करेंगे। तृतीय भाव में केतु की स्थिति भी आपके पराक्रम को बढ़ायेगी। कैरियर में उन्नति के लिए यह वर्ष शुभ व अत्यन्त महत्वपूर्ण है। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इस वर्ष पुरानी बीमारी व कष्ट से छुटकारा मिलेगा। अधिकांश कार्य आपके समय पर पूर्ण हो जायेंगे। मन में प्रसन्नता का भाव रहेगा।

इस वर्ष के लिए विशेष उपाय-

२०१० ई० में मेष राशि वालों के लिए विशेष उपाय इस प्रकार से है-

1. वर्षारम्भ में २६ मई तक प्रत्येक मंगलवार ४०० ग्राम रेवड़ी पानी में बहायें।
2. गौओं को रोटी व गुड़ खिलाना शुभ रहेगा।
3. वर्ष की शुभता बढ़ाने के लिए आप हनुमान जी की आराधना करें।
4. भाइयों को विशेष स्नेह दें तो मंगल का दुष्प्रभाव कम होगा।
5. हनुमान जी की मूर्ति पर सिन्दूर व तेल चढ़ाकर प्रसाद बाँटना शुभ होगा।